बाबा यागा
और उड़ने वाली चुड़ैल

सुज़ाना डेविडसन

चित्र: सारा रोजो

बाबा यागा और उड़ने वाली चुड़ैल

सुज़ाना डेविडसन

चित्र: सारा रोजो

यह कहानी
बाबा यागा
नामक एक
चुड़ैल,

ताशा नामक एक
छोटी लड़की,

जादुई झोपड़ी,

कुत्ता,

बिल्ली,

और एक जादुई
गुड़िया के बारे में है

एक बार की बात है, एक दूर देश में,
ताशा नाम की एक छोटी लड़की रहती थी.

उसकी माँ की मृत्यु तब हुई जब वह बहुत छोटी थी.

लेकिन मरने से पहले, मां ने अपनी
बेटी को एक छोटी सी गुड़िया दी.

उसे अपनी जेब
में रखना
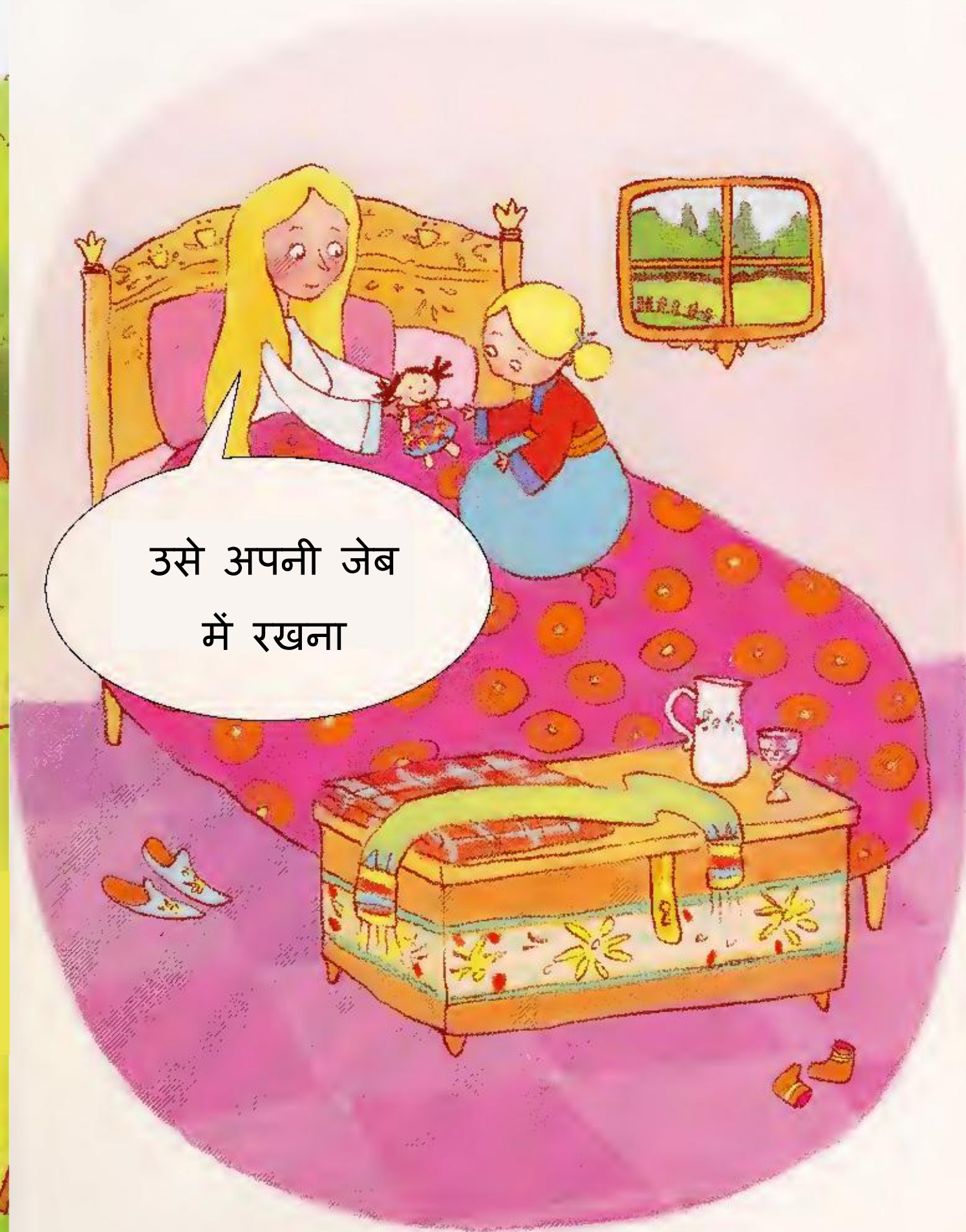
"अगर कभी तुम खतरे में हो, तो गुड़िया को खाना और पानी देना," मां ने कहा. "वह तुम्हारी जरूर मदद करेगी."

कुछ साल बाद, ताशा के पिता ने फिर से शादी कर ली. "मेरे लिए एक नई पत्नी और ताशा के लिए एक नई माँ घर में आएगी," पिता ने सोचा.

लेकिन उनकी नई पत्नी के कुछ और ही विचार थे.

एक सुबह, नई पत्नी ने ताशा के पिता के बाज़ार जाने का इंतज़ार किया.
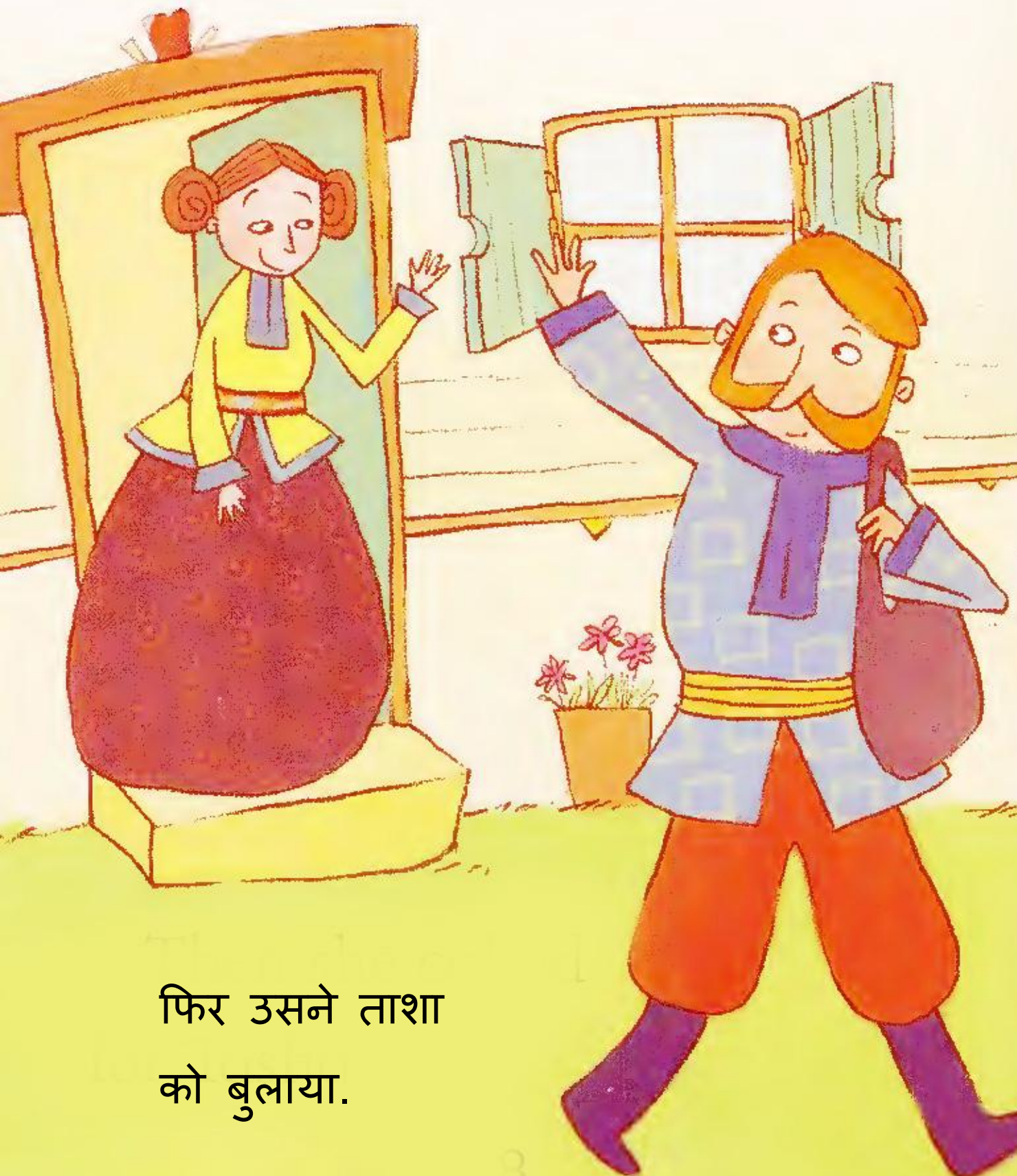
"मैं चाहती हूँ कि तुम जंगल में बाबा यागा की झोपड़ी में जाओ."

फिर उसने ताशा को बुलाया.
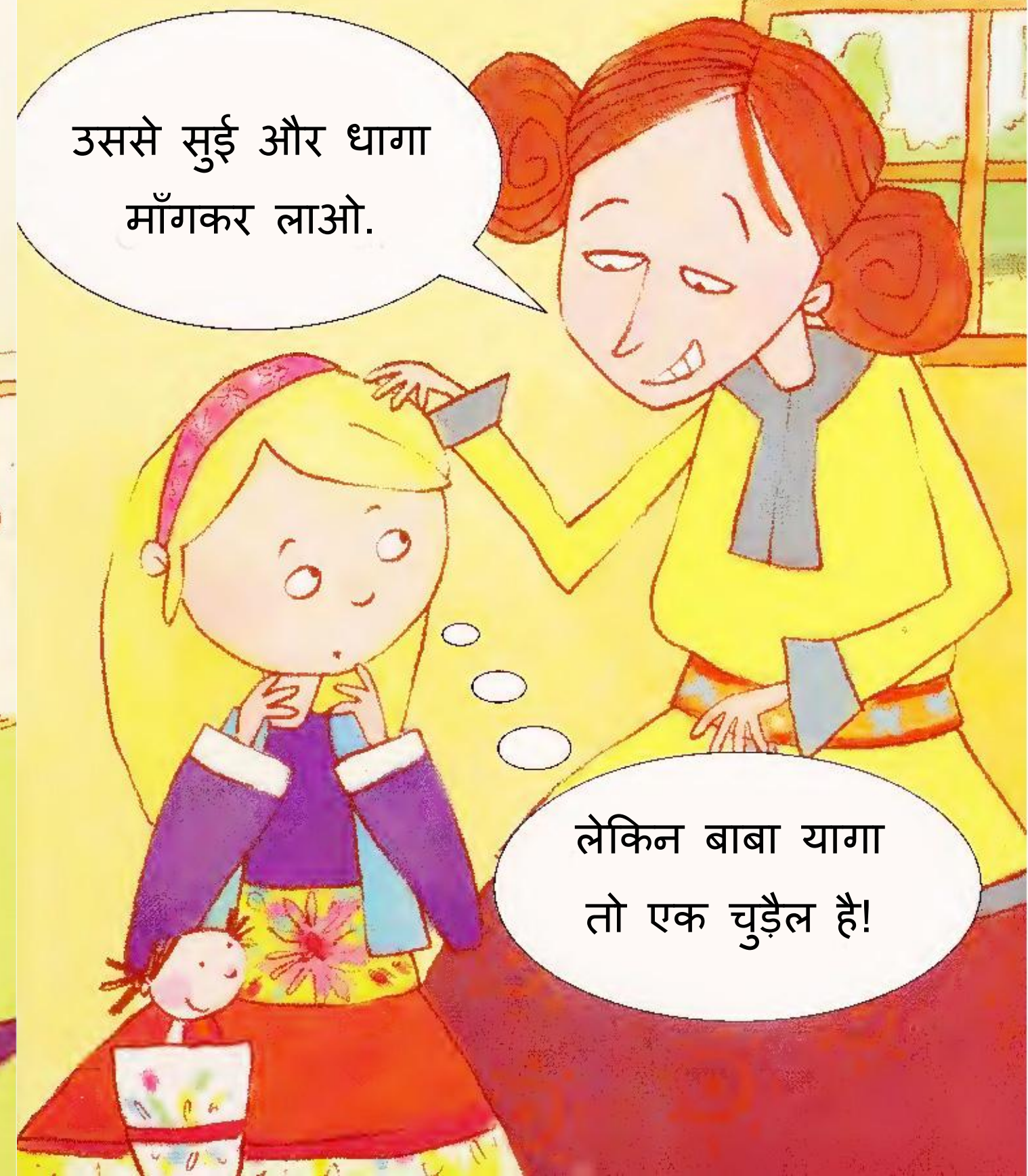
ताशा दरवाज़े की चौखट पर बैठ गई और
उसने अपनी गुड़िया को जेब से निकाला.

उसने उसे रोटी का एक छोटा टुकड़ा
दिया और पानी का एक घूँट पिलाई.

छोटी गुड़िया ने खाया. छोटी गुड़िया ने पिया.
फिर उसकी आँखें सितारों की तरह चमक उठीं.
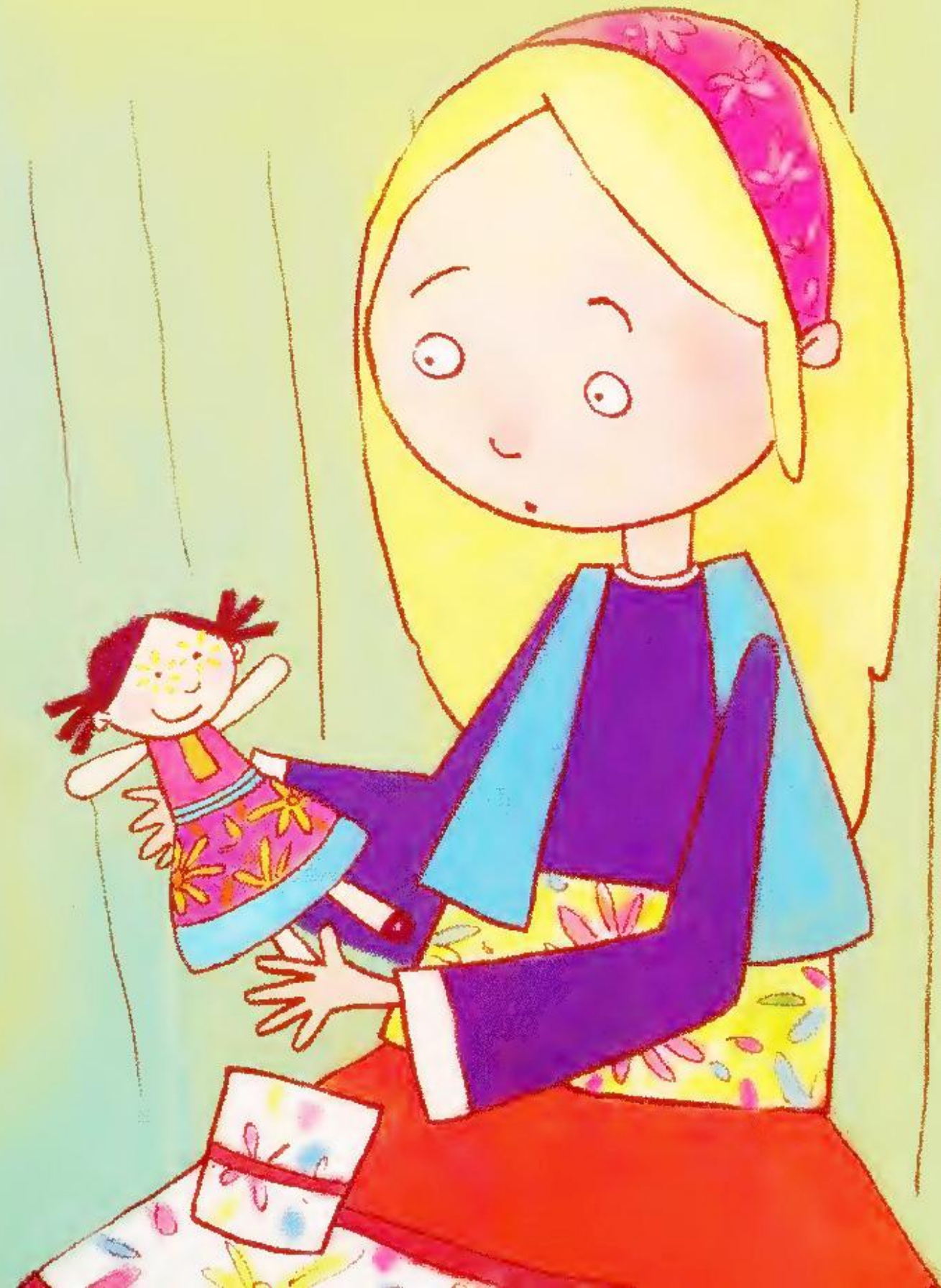
"छोटी गुड़िया, छोटी गुड़िया," ताशा ने कहा.
"सौतेली माँ ने मुझे चुड़ैल की झोपड़ी में भेजा है."

फिर मैं क्या करूँ?"

"बाबा यागा के कुत्ते के लिए कुछ
रोटी लेती जाओ," गुड़िया ने कहा.

"और बाबा यागा की बिल्ली के लिए कुछ
मांस. डरो मत. मैं तुम्हारी रक्षा करूँगी.

ताशा ने मांस और रोटी पैक की. फिर वह गहरे, अंधेरे जंगल से निकल पड़ी.
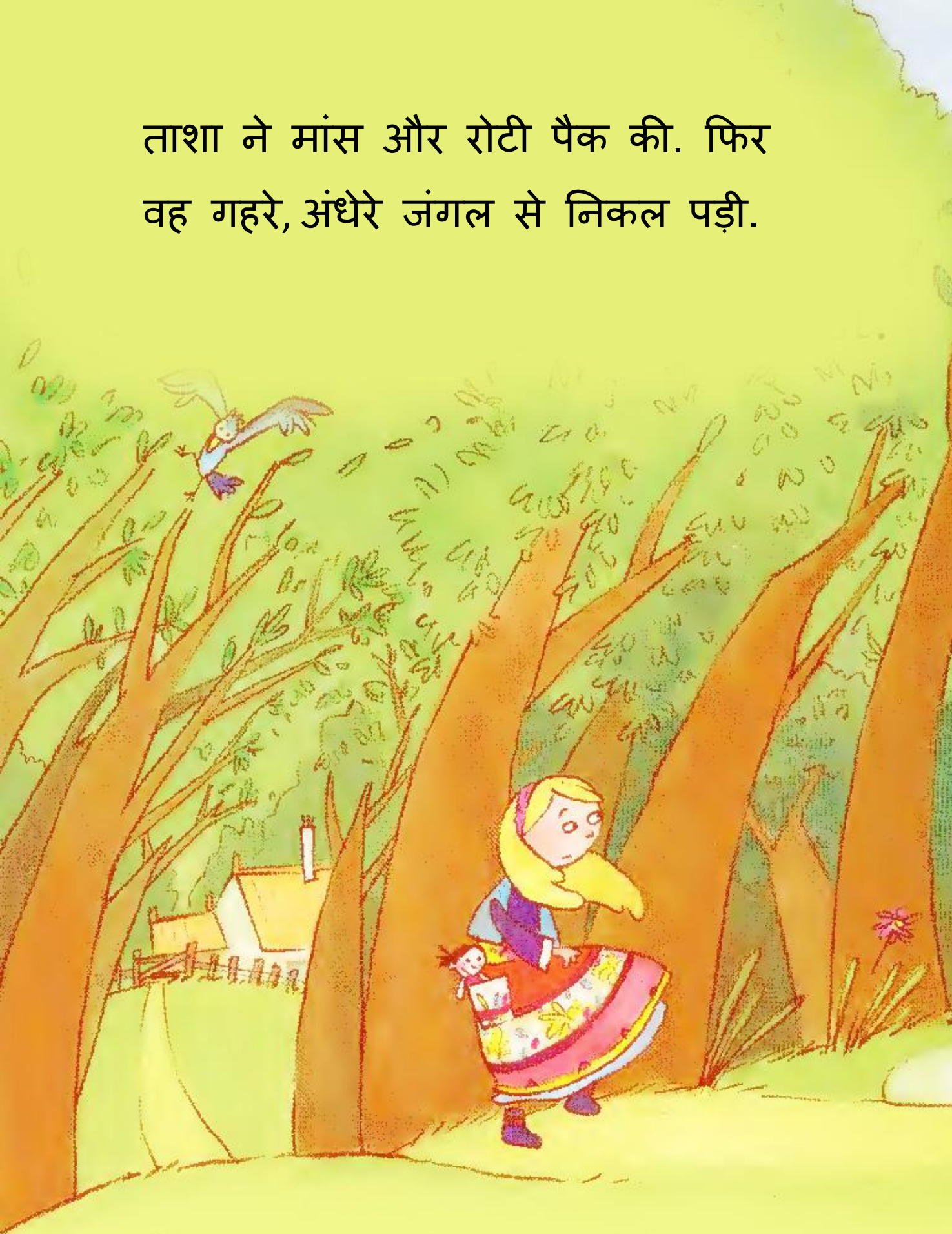
जल्द ही, तेज़ हवा चलने लगी.

पेड़ चरमराने लगे. उनकी शाखाएँ कराहने लगीं. ताशा ने ऊपर देखा...
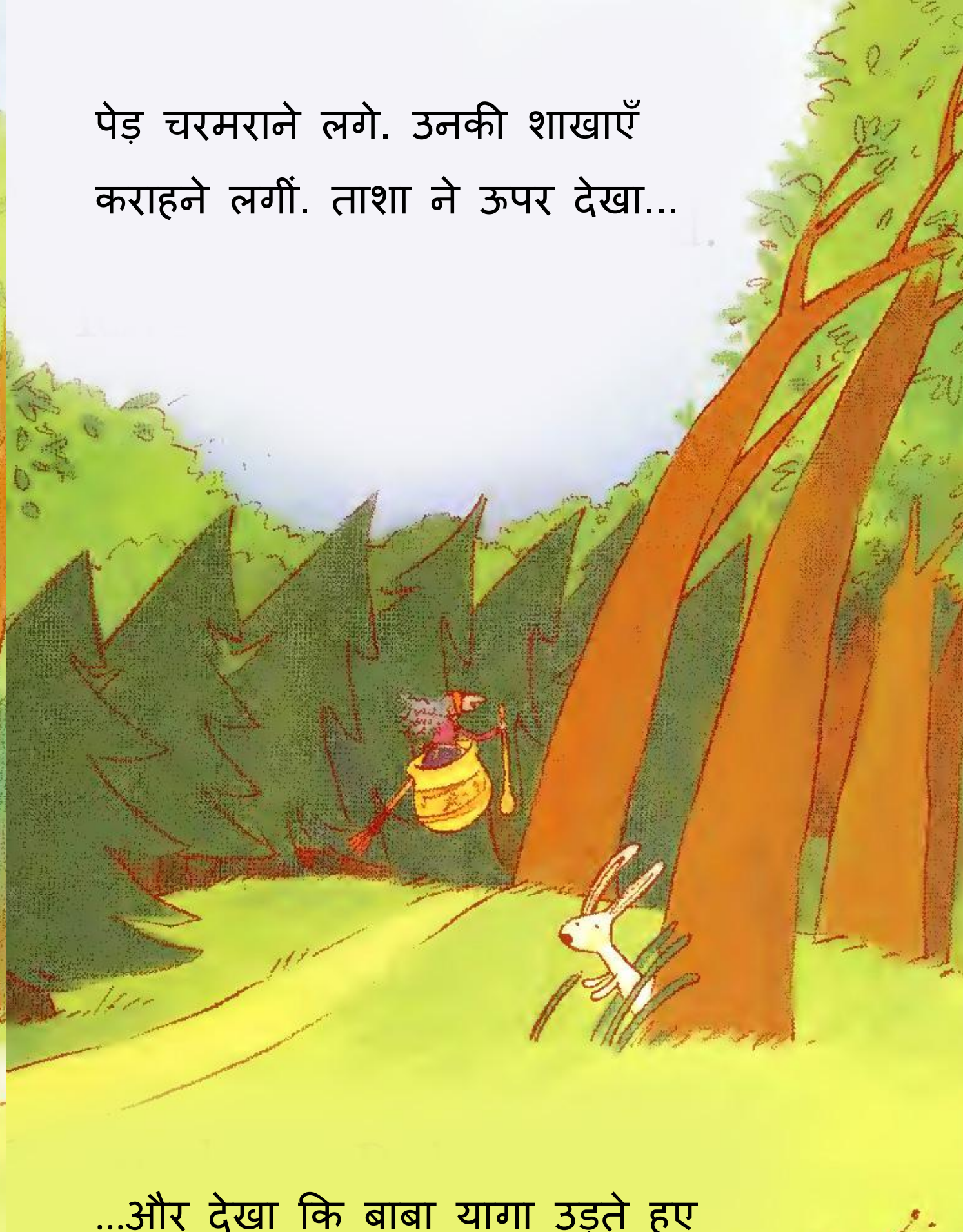
...और देखा कि बाबा यागा उड़ते हुए मटके में सवार जंगल से गुज़र रही थी.

वो खुद को लकड़ी के
चम्मच से धकेल रही थी.
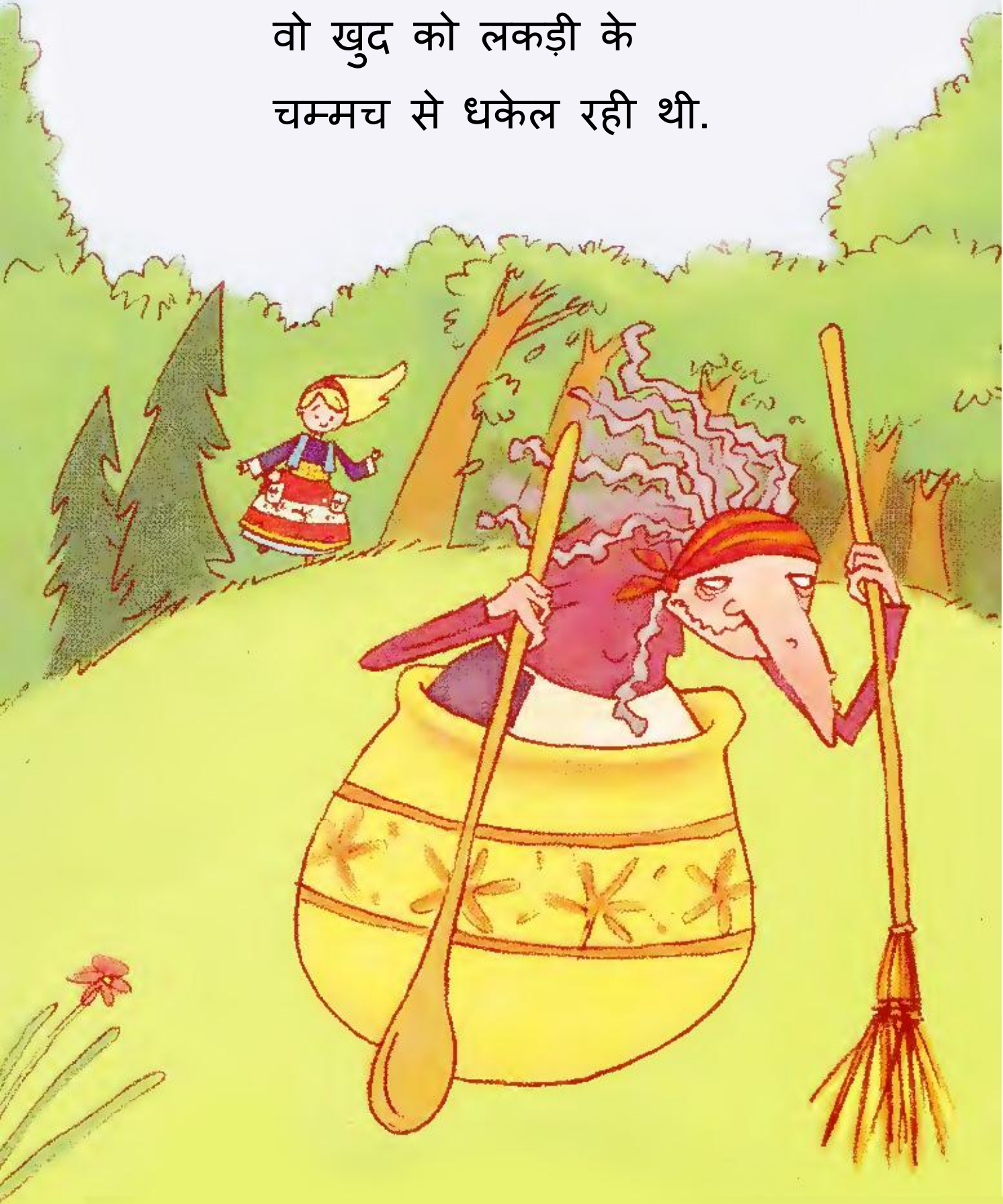
फिर एक लंबी, लकड़ी की झाड़ू से
अपने पैरों के निशान मिटाती जाती थी.

ताशा उसके पीछे एक अजीब सी छोटी
सी झोपड़ी में चली गई. झोपड़ी, मुर्गी
के पैरों पर घूम रही थी...

...और चुड़ैल अपनी खिड़की जैसी आँखों
से ताशा को आँख मार रही थी.

बाबा यागा अपनी झोपड़ी के
सामने खड़ी थी और गा रही थी.

“जादुई झोपड़ी, जादुई झोपड़ी, घूमो,
अपने पैर मोड़ो और ज़मीन को छुओ.”

जादुई झोपड़ी अपनी हड्डियों
वाली टाँगों पर घूमी और बोली,

“मैं नाच सकती हूँ, मैं देख सकती हूँ
एक छोटी लड़की, मेरे सामने है.”

“अहा!” बाबा यागा ने कहा

“तुम हमारे पास क्यों आई हो?”

“पी-पी-प्लीज़,” ताशा ने कहा. “मेरी सौतेली माँ ने मुझे सुई और धागा लाने के लिए भेजा है.”

बाबा यागा के चेहरे पर एक भयानक मुस्कान चमकी. उसका मुँह लोहे के दाँतों से भरा हुआ था.
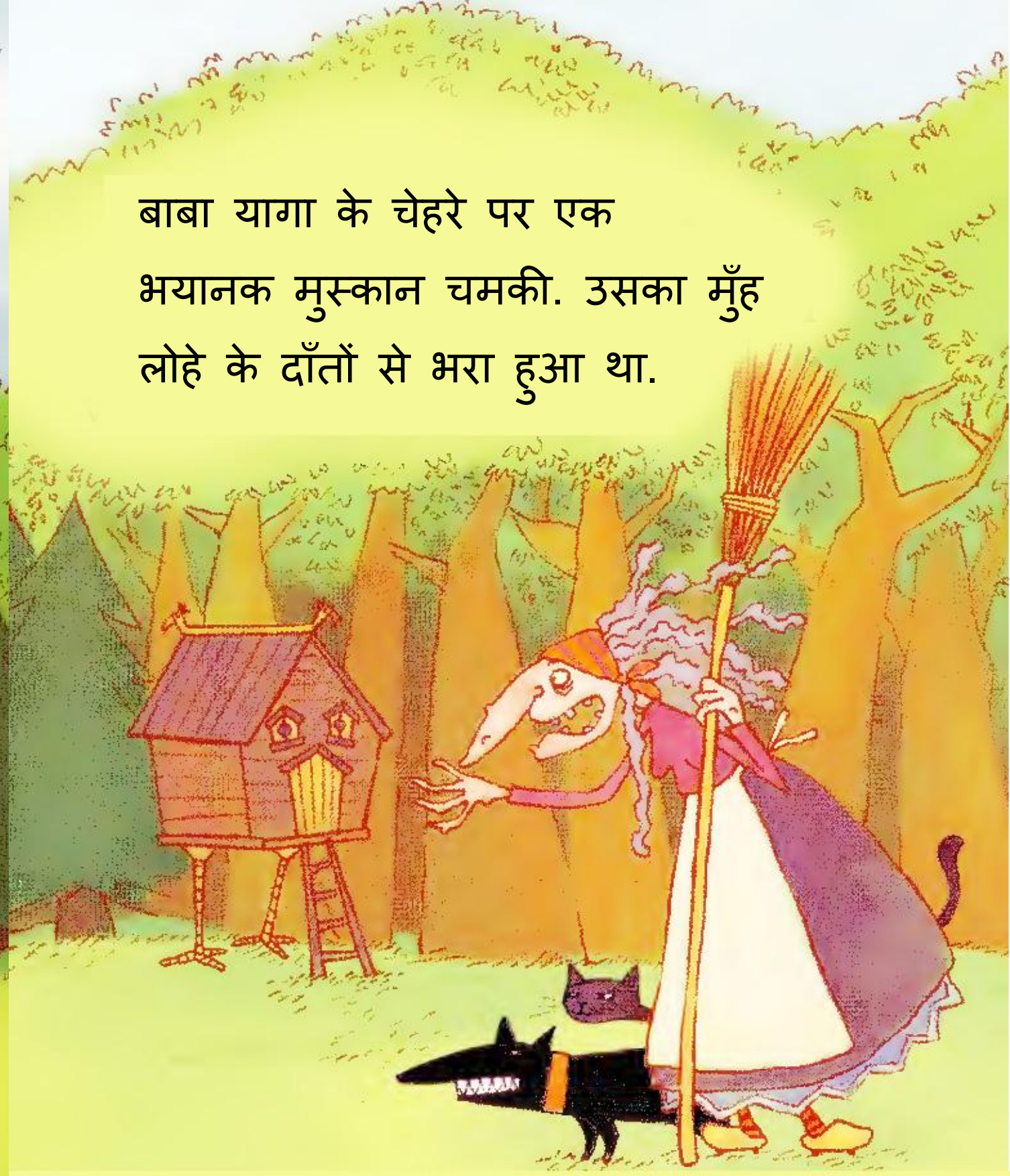
उसके बाल चिकने थे. उसके हाथ मस्सेदार थे. उसकी नाक उसकी ठुड्डी तक पहुँची थी.

“मैं तुम्हारी मदद कर सकती हूँ,” बाबा यागा ने कर्कश स्वर में कहा. “लेकिन पहले तुम्हें मेरी झोपड़ी साफ करनी होगी.”

बाबा यागा ने अपनी नौकरानी को बुलाया. “मेरे लिए एक अच्छी बड़ी आग जलाओ,” उसने कहा.

“मैं उस छोटी लड़की को दोपहर के भोजन में खाऊँगी!”

झोपड़ी के अंदर, ताशा रोने लगी. "मैं नहीं चाहती कि कोई मुझे खाए," वह रोई.

"तो मुझे वह मांस दे दो," एक दुबली-पतली काली बिल्ली बोली, “फिर मैं तुम्हारी मदद करूँगी."

"अब, जितनी जल्दी हो सके यहाँ से
भाग जाओ," बिल्ली ने गुर्राते हुए कहा.

"बाबा यागा तुम्हारा पीछा करेगी. जब तुम उसे
आते हुए सुनो, तो यह दर्पण नीचे फेंक देना.

"अगर वह फिर भी आती रहे,
तो यह कंघी नीचे फेंक देना."
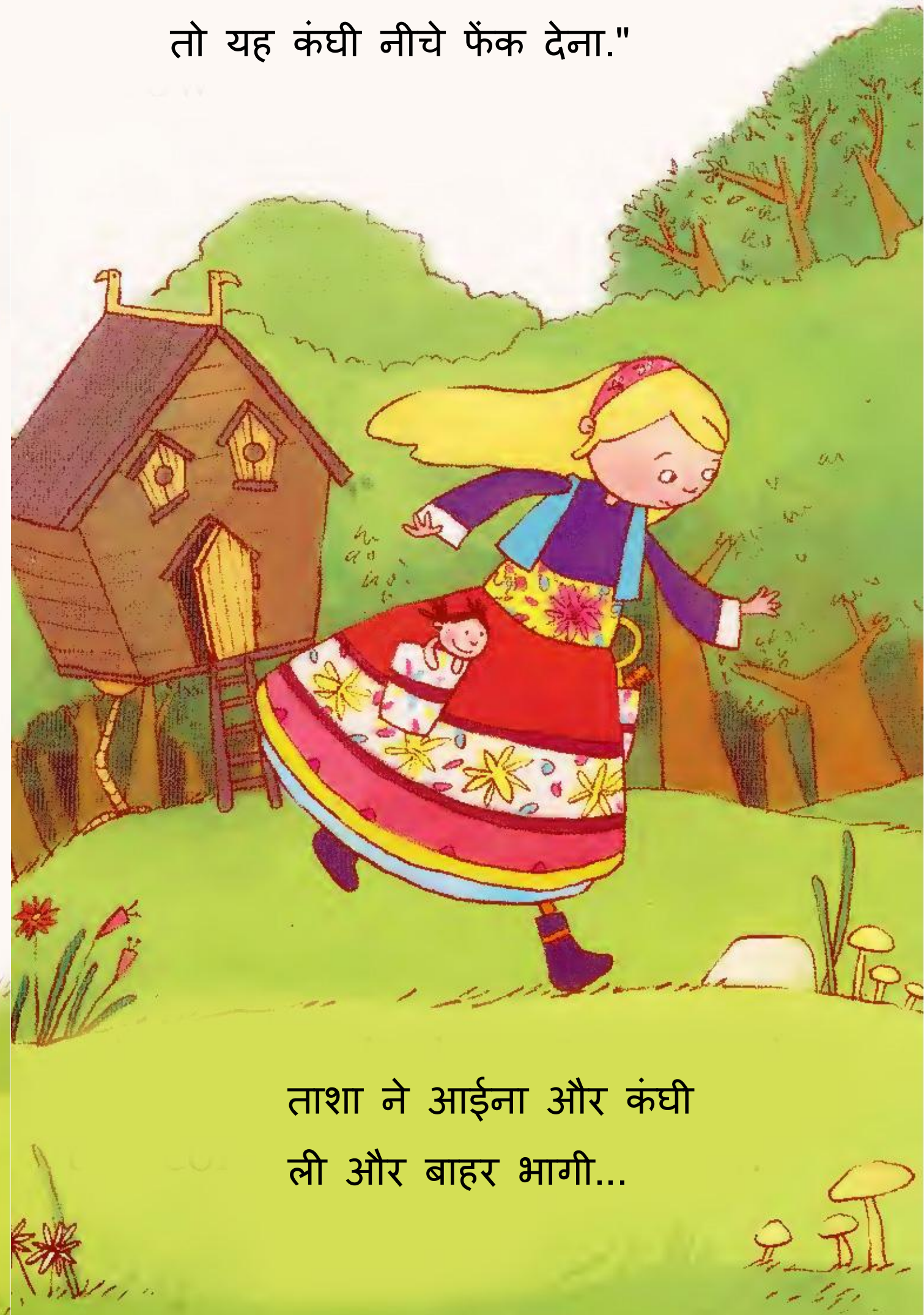
ताशा ने आईना और कंघी
ली और बाहर भागी...

...जहाँ बाबा यागा का बड़ा,

काला कुत्ता इंतज़ार कर रहा था.

वह गुर्राया. वो ज़ोर से गुर्राया.

उसने अपने तीखे दाँत दिखाए...

... ताशा ने उसकी ओर रोटी फेंकी.
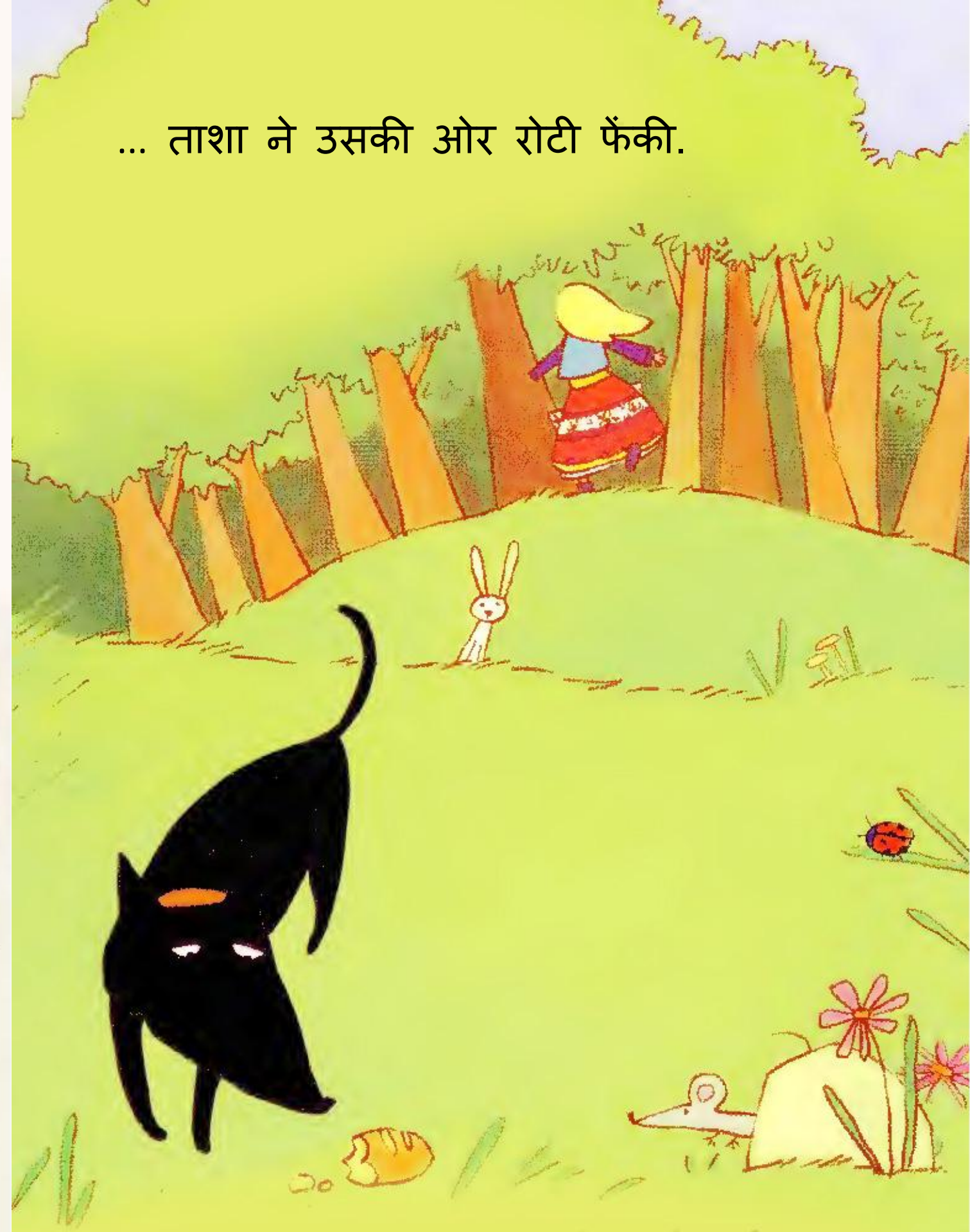
"भागती रहो!" कुत्ते ने भौंकते हुए कहा.

"भागती रहो!"

बाबा यागा वापस आई. "क्या तुम झाड़ू लगा रही हो, छोटी लड़की?"

"हाँ, मैं झाड़ू लगा रही हूँ," बिल्ली फुसफुसाई.

बाबा यागा अपनी झोपड़ी में कूदी. "लड़की कहाँ है?" वो अपनी बिल्ली पर चिल्लाई.

"मैंने लंबे समय तक आपकी सेवा की है," बिल्ली ने कहा. "लेकिन आपने मुझे कभी कुछ खाना नहीं दिया."

बाबा यागा अपने कुत्ते के पास भागी.
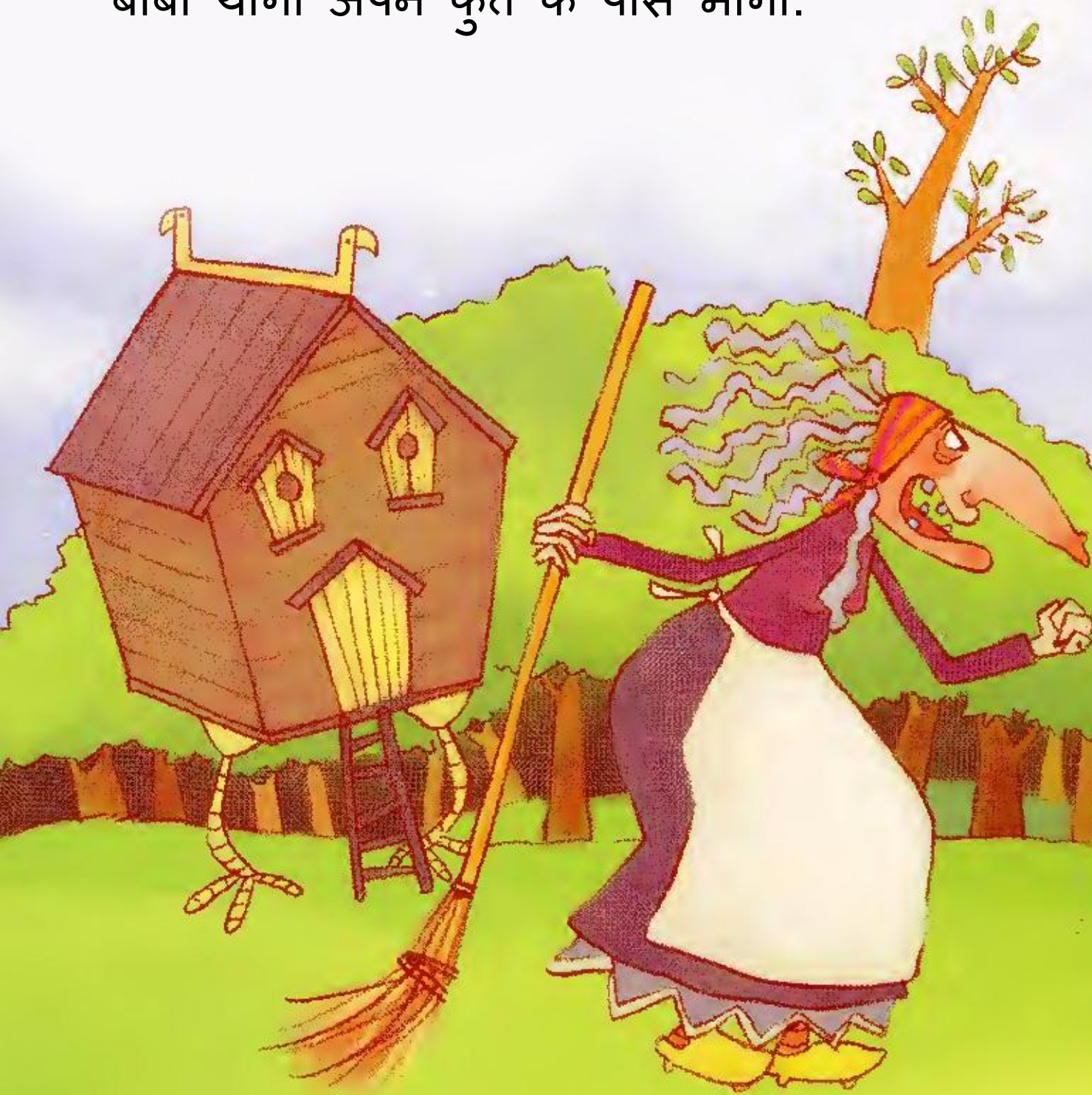
"तुमने उसे क्यों नहीं रोका?"

उसने चिल्लाते हुए कहा.

"मैंने लंबे समय तक आपकी सेवा की है,"
कुत्ते ने कहा. "लेकिन आपने मुझे कभी
कुछ खाना नहीं दिया."

"उस लड़की ने मुझे
खाने के लिए रोटी दी."

बाबा यागा ने एक पल भी इंतज़ार नहीं किया. वह अपने मटके में कूद गई.

उसने अपने लकड़ी के चम्मच से धक्का दिया

और वह उड़ गई, अपनी लंबी, लकड़ी की झाड़ू से अपने निशान मिटाते हुए.

थप! थप! थप! चम्मच चला.
स्विश! स्विश! स्विश! झाड़ू चली.
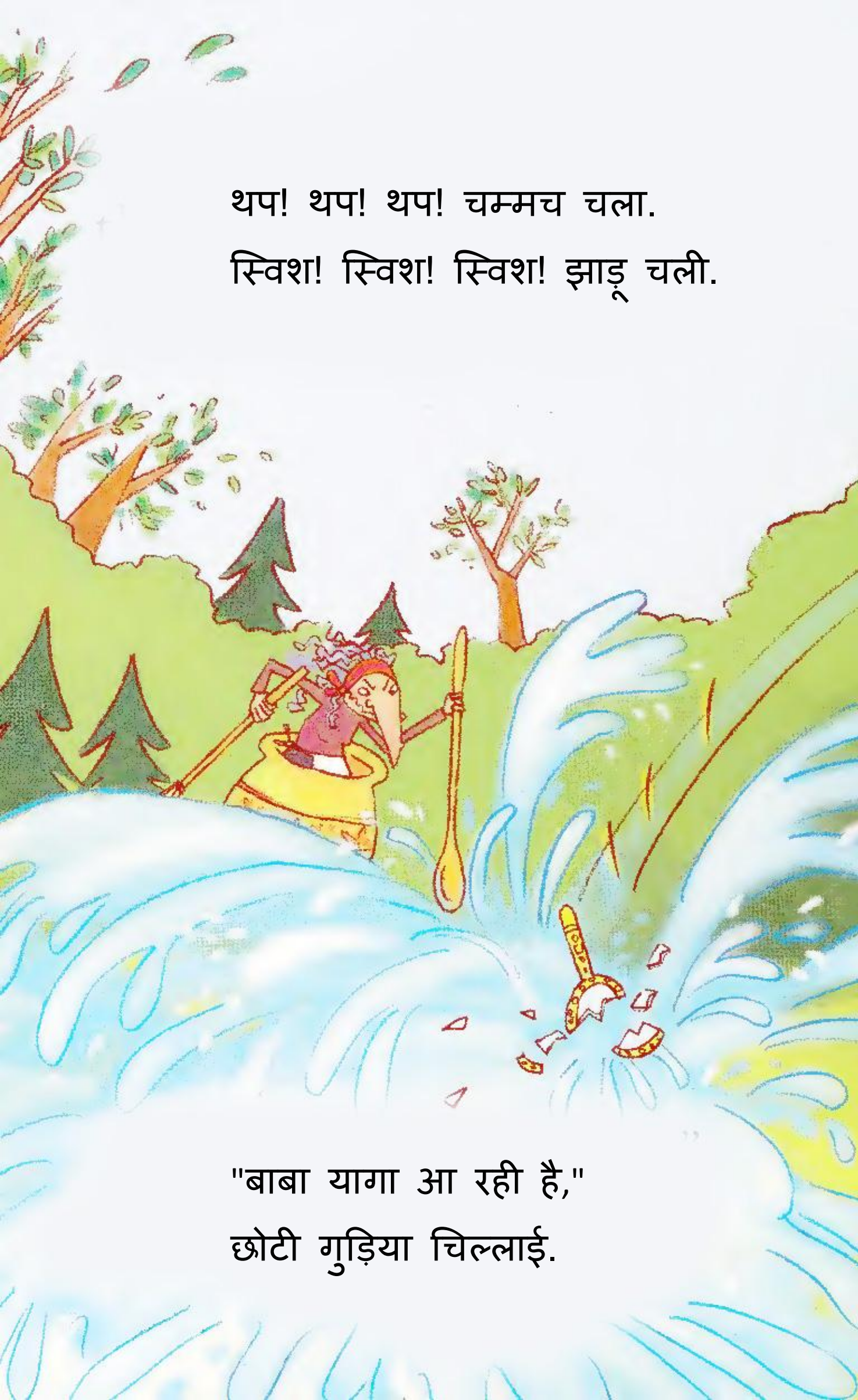
"बाबा यागा आ रही है,"
छोटी गुड़िया चिल्लाई.

ताशा ने आईना
नीचे फेंक दिया.
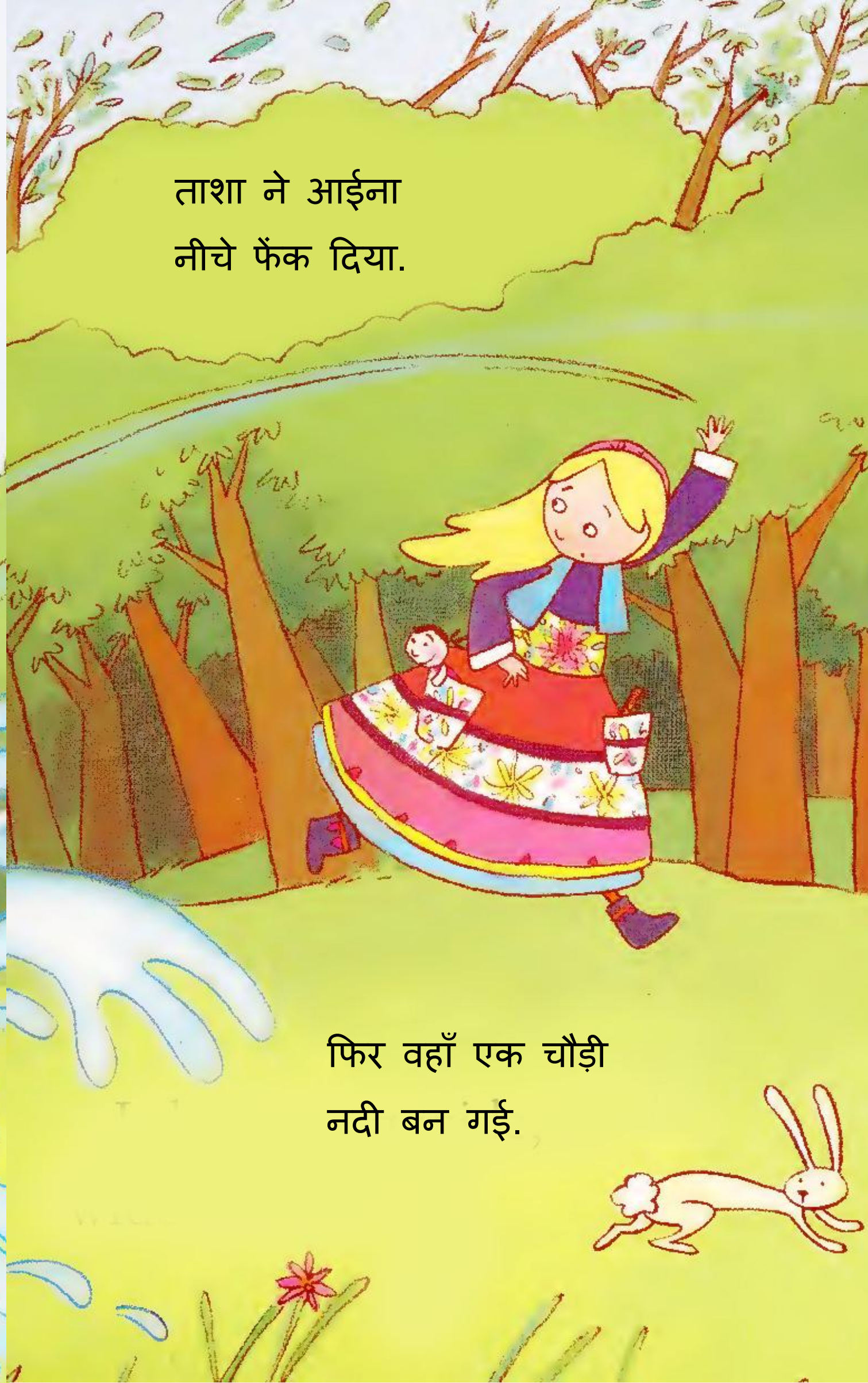
फिर वहाँ एक चौड़ी
नदी बन गई.

"तुम्हें शाप लगे!" बाबा यागा चिल्लाई. उसने अपने हड्डीदार शरीर को झुकाया और पानी पीती रही और पीती रही और पीती रही.
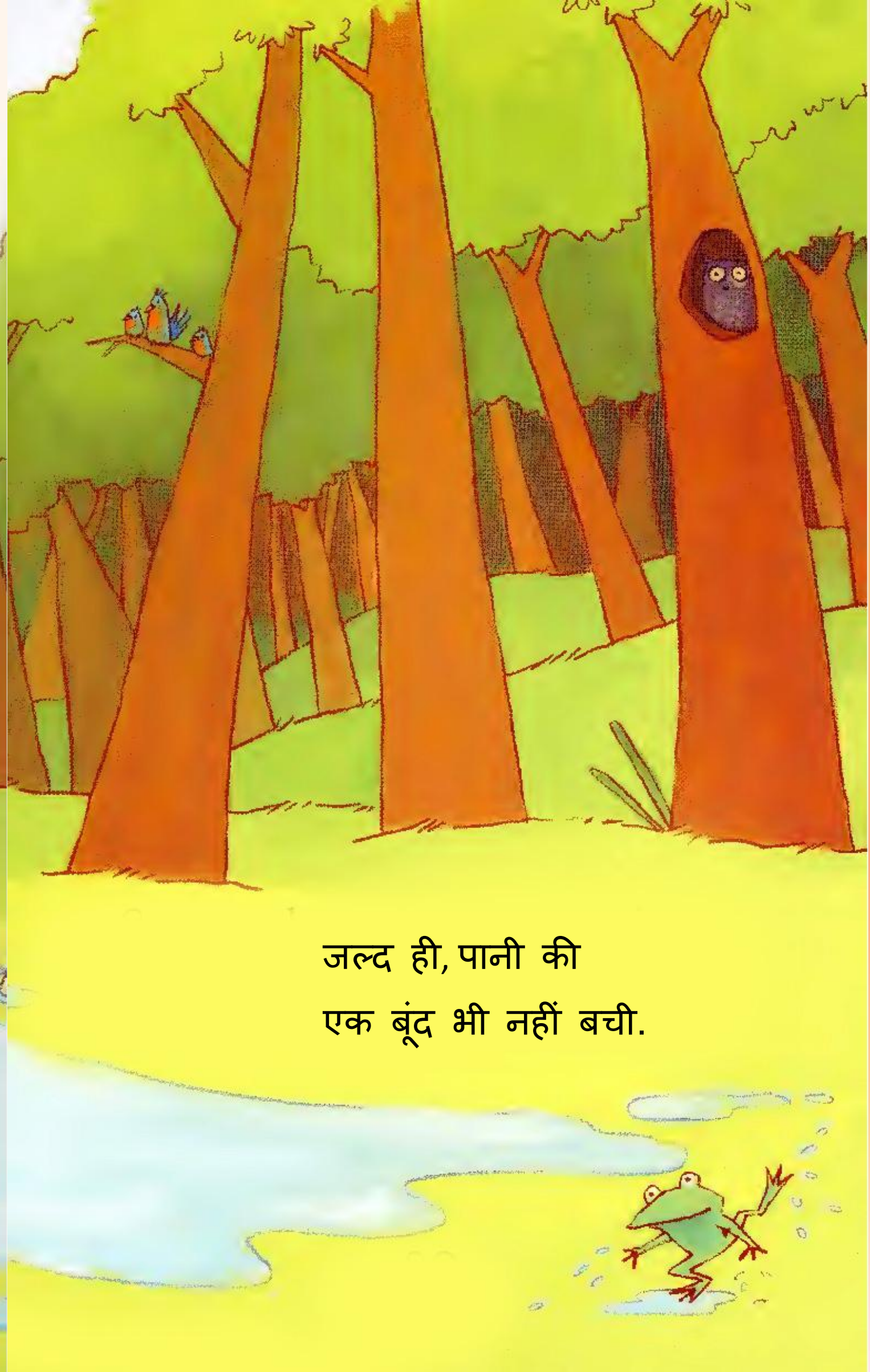
जल्द ही, पानी की एक बूंद भी नहीं बची.

फिर एक बार, ताशा ने चम्मच की थपथपाहट और झाड़ू की आवाज़ सुनी.
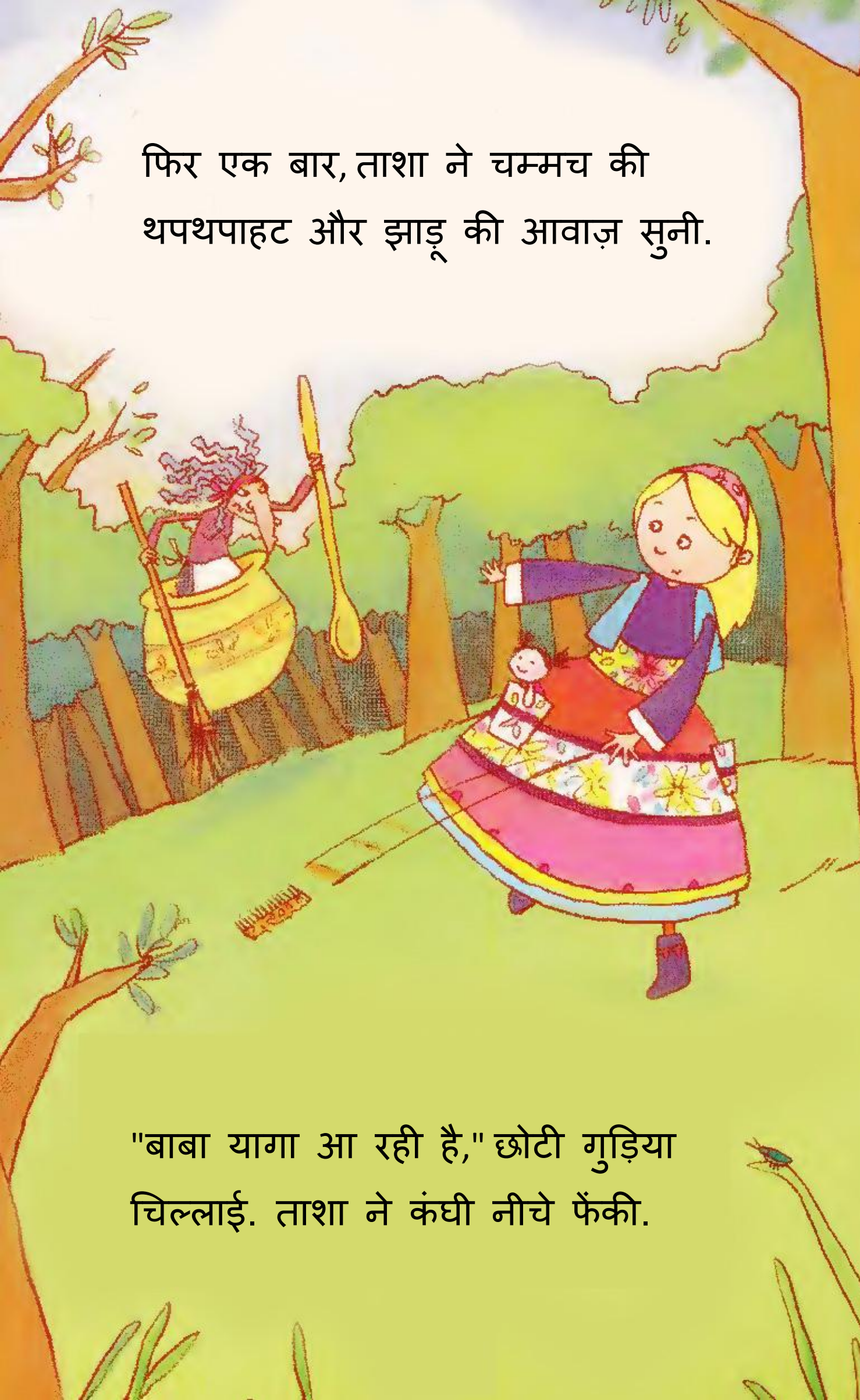
"बाबा यागा आ रही है," छोटी गुड़िया चिल्लाई. ताशा ने कंघी नीचे फेंकी.

उसके पीछे एक बहुत बड़ा पहाड़ उछलकर खड़ा हो गया.
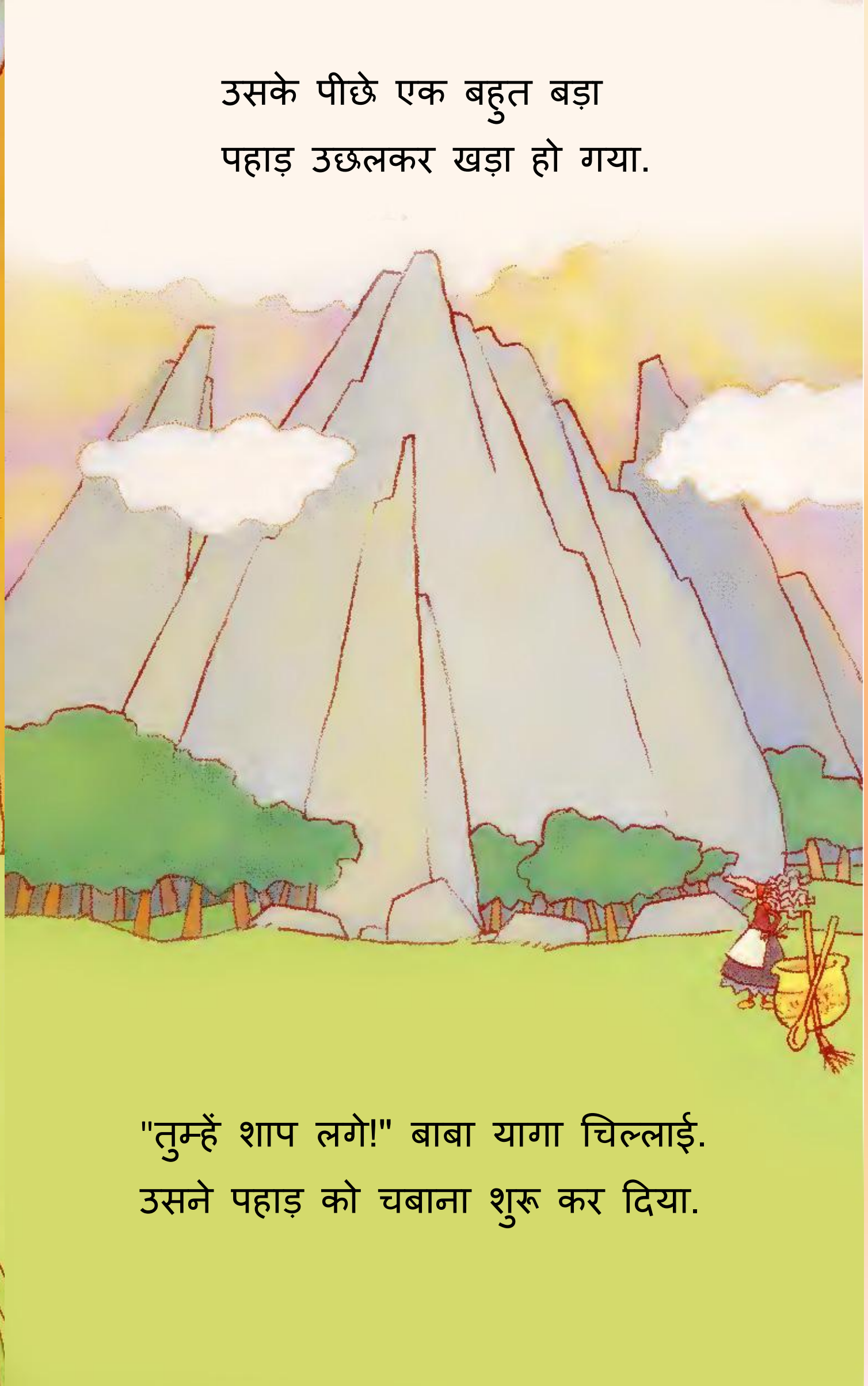
"तुम्हें शाप लगे!" बाबा यागा चिल्लाई. उसने पहाड़ को चबाना शुरू कर दिया.

लेकिन उसके लोहे के दाँत चौड़ी नदी
का पानी पीने से जंग खा गए थे.

एक-एक करके, उसके
लोहे के दाँत टूटते गए.

"शाप!" बाबा यागा चिल्लाई.

"मैं पहाड़ के ऊपर से उड़ नहीं सकती.
मुझे वापस जाना होगा."
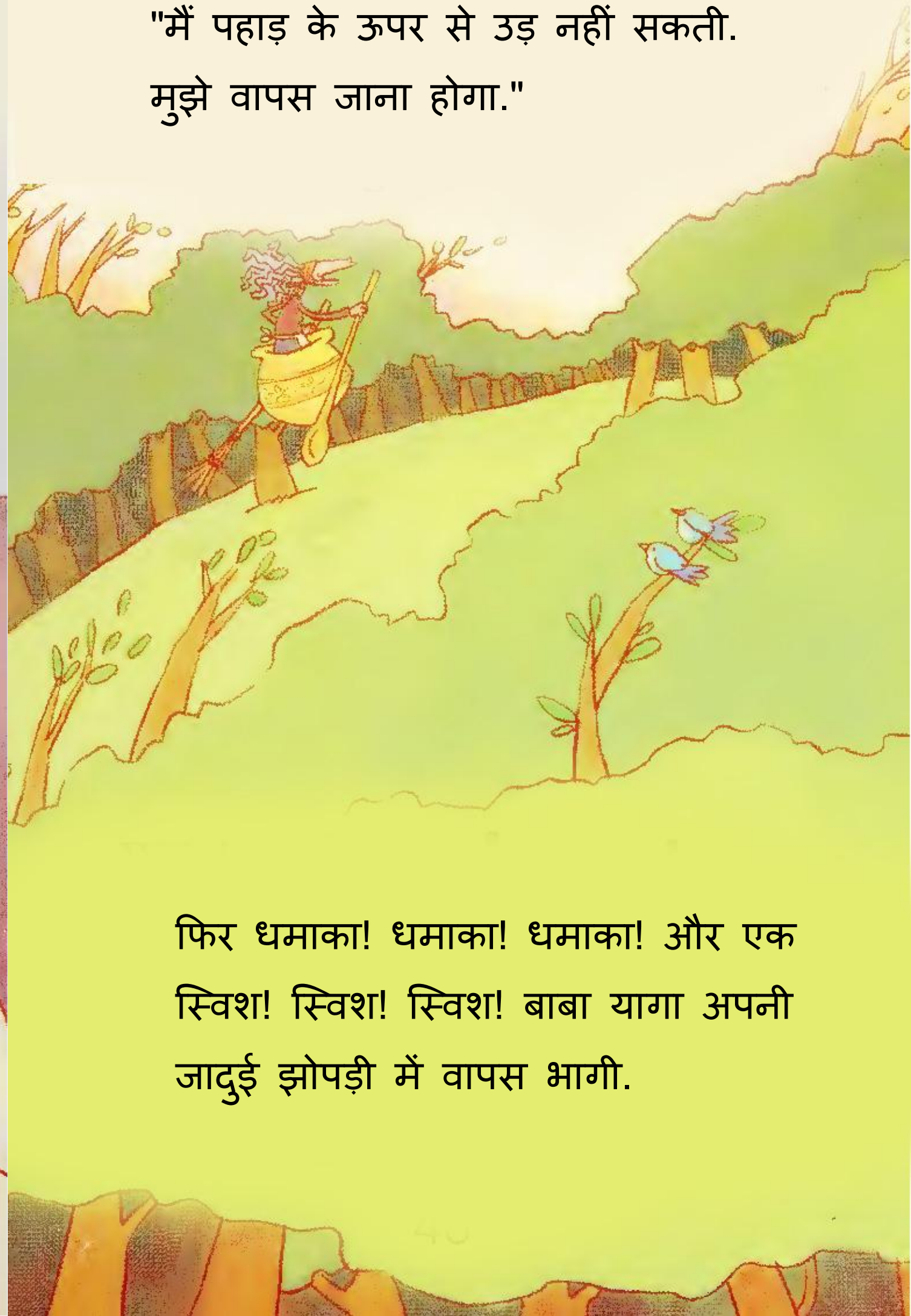
फिर धमाका! धमाका! धमाका! और एक
स्विश! स्विश! स्विश! बाबा यागा अपनी
जादुई झोपड़ी में वापस भागी.

ताशा घर पहुँचने तक दौड़ती रही.

उसके पिता उससे मिलने के लिए दौड़े.
"तुम कहाँ थीं?" उन्होंने पूछा.

"सौतेली माँ ने मुझे बाबा यागा की झोपड़ी में भेजा," ताशा ने कहा. "और वहां चुड़ैल ने मुझे खाने की कोशिश की."

"तो अब तुम्हारी सौतेली माँ को इस घर से चले जाना चाहिए," उसके पिता ने कहा.
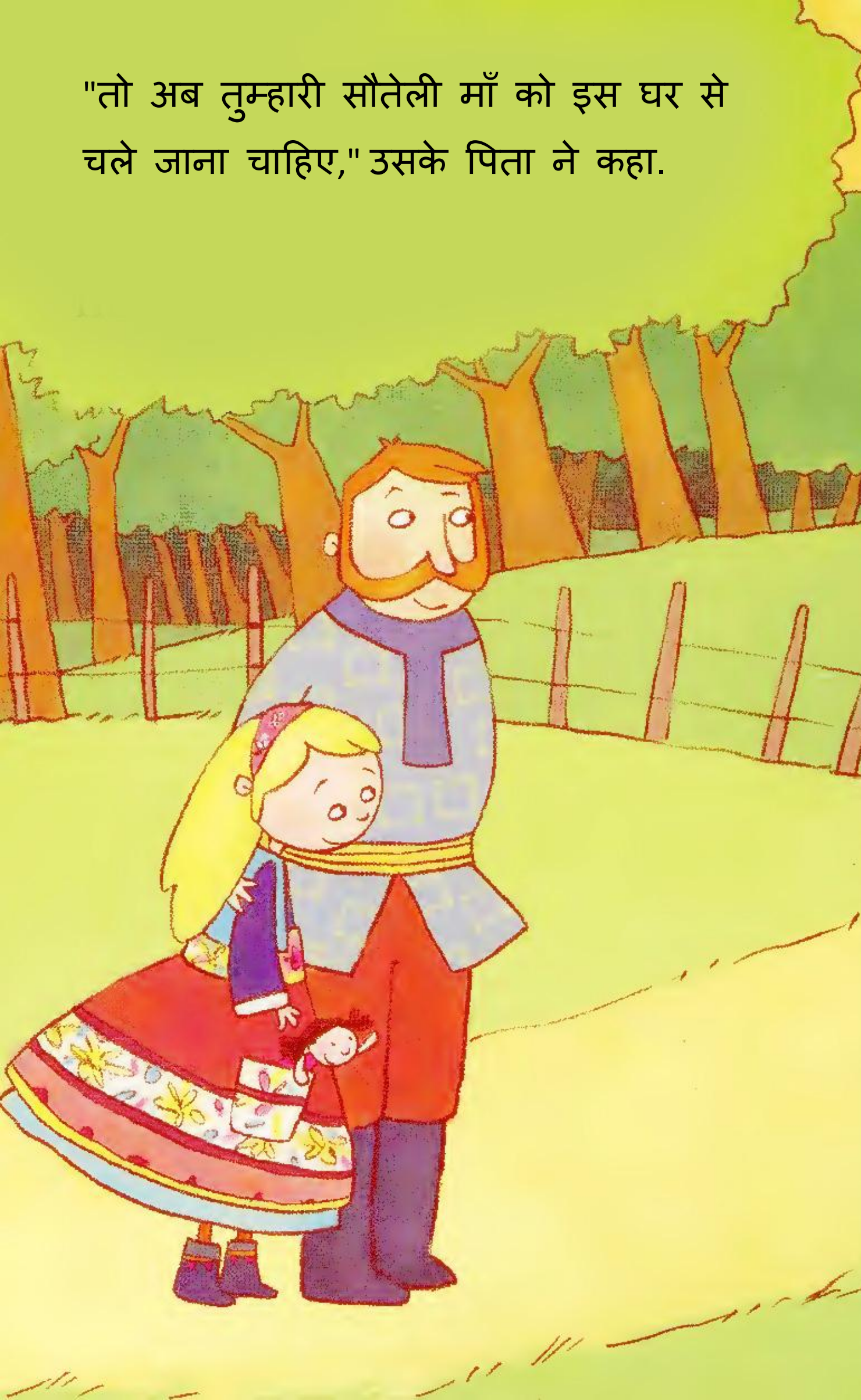
और फिर उन्होंने सौतेली माँ को अपने से घर से बाहर निकाल दिया.

वह फिर कभी नहीं दिखी.